1

भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला

प्रिय शिक्षार्थी, इस पाठ्यक्रम में, हम प्रागैतिहासिक कला, मध्यकालीन कला, समकालीन कला और लोक एवं जनजातीय कला के बारे में सीखेंगे। पहले हम भारत की प्रागैतिहासिक कला, जो कि मिर्जापुर, पंचमढ़ी और भीमबेटका में विद्यमान है उसके शैलचित्र के बारे में सीखेंगे।

पूर्व पाषाण युग में प्राचीन मानव गुफाओं में रहते थे और पक्षियों और जंगली जानवरों का शिकार करने हेतु पत्थरों का प्रयोग करते थे। करीव 40,000 वर्ष पूर्व, पूर्व पाषाण युग में, प्राचीन मानवों ने गुफा की दीवारों पर चित्रकला और रेखांकन करना प्रारंभ किया। आज से लगभग 12000 वर्ष पूर्व, मध्य पाषाण युग की अनेक प्रकार की चित्रकला उपलब्ध है। यह कालक्रम प्रागैतिहासिक काल की सबसे प्राचीन खोज थी।

इस अध्याय में, पूर्व पाषाण युग की विभिन्न प्रकार की चित्रकलाओं के बारे में जानेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप :

- पूर्व पाषाण युग में शैल चित्रकला की उत्पत्ति के संबंध में वर्णन कर सकेंगे;
- भारत के विभिन्न भागों के स्थानों की पहचान कर सकेंगे;
- प्रागैतिहासिक कला की मुख्य विशेषताओं की पहचान कर सकेंगे;
- शैल या पाषाण चित्रकला के इतिहास का वर्णन कर सकेंगे;
- शैल चित्रकला के विभिन्न प्रकारों को पहचान सकेंगे।

1.1 मिर्जापुर के शैलचित्र कला

आइए, अब मिर्जापुर की शैलचित्र कला को समझते हैं।

बुनियादी सूचना

मिर्ज़ापुर शहर से केवल 20 किलोमीटर दूर कैमूर की पहाड़ियों में, सोन नदी की घाटियों में कुछ गुफाएँ स्थित हैं। ये गुफाएँ लिखुनिया, भलडारिया आदि नामों से जानी जाती हैं। इन गुफाओं की छतों तथा दीवारों पर आदिमानव द्वारा चित्रकारी की गई थी। यहाँ लगभग 250 शैलाश्रय हैं, जिन्हें विभिन्न विषयों पर बनाई गई पाषाण कला से सजाया गया है। चित्रों में अनेक पशु; जैसे- हाथी, शूकर और बाघ आदि की प्रजातियाँ दर्शाई गई हैं। अनेक जंगली जानवरों के साथ पालतू पशु भी चित्रित किए गए हैं।

शीर्षक : **आदिम शिकारी**

माध्यम : मृदा तथा खनिज रंग

शैली : प्रागैतिहासिक

काल : लगभग 5000 ईसा पूर्व

सामान्य विवरण

इस चित्र में एक घुड़सवार भाला लिए दर्शाया गया है जो एक बाघ का पीछा कर रहा है। इस युग के चित्रकारों के लिए शिकार एक लोकप्रिय विषय था। चित्रों में दर्शाए गए शिकार-दृश्य उनके जीवन के व्यावहारिक अनुभवों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आदि मानव बड़े एवं खतरनाक पशुओं का शिकार समूहों में किया करते थे। चित्र में यह दर्शाया भी गया है कि लोगों का एक समूह पशुओं का पीछा कर रहा है तथा उन्हें पुराने हथियारों से मारने हेतु घेर रहा है। चित्रों में

रंगों का प्रयोग बहुत ही सीमित है तथा उन आकृतियों को स्पष्टता देने हेतु प्रयोग किया गया है। कुछ चित्रों में लाल, काला और पीला रंग प्रयुक्त किया गया है। मानव आकृतियों की अपेक्षा पशु आकृतियाँ अधिक स्पष्टता से उभरी हैं।

चित्र 1.1: 'आदिम शिकारी', मिर्ज़ापुर

पाठगत प्रश्न 1.1

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

1. 'आदिम शिकारी' शैलचित्र के माध्यम हैं .....।
2. 'आदिम शिकारी' शैलचित्र में ....., ... और ..... रंगों का उपयोग है।
3. मिर्जापुर के शैलचित्रों का लोकप्रिय विषय ..... है।

1.2 पचमढ़ी के शैलचित्रकला

अब हम पंचमढ़ी शैलचित्र को समझते हैं।

बुनियादी सूचना

पचमढ़ी की पहाड़ियाँ मध्यप्रदेश में स्थित हैं। इन पहाड़ियों में शैलाश्रय यहाँ-वहाँ फैले हुए हैं। इनमें से अनेक में विभिन्न विषयों का चित्रांकन किया गया है। यहाँ प्रचलित एक लोकप्रिय विश्वास

के अनुसार पंचमढ़ी शब्द ''पंच-मढ़ी'' से बना है जिसका अर्थ है- पाँच गुफाओं का समूह, जहाँ पाँच पांडवों ने कुछ समय निवास किया था।

शीर्षक : **गायों की कतारें**

माध्यम : मृदा तथा खनिज रंग

शैली : प्रागैतिहासिक

काल : लगभग 5000 वर्ष ईसापूर्व

सामान्य विवरण

गायों की कतारें, इस स्थान पर पाए गए अनेक चित्रों में से एक है। इसमें एक ग्वाले को गायों को चराने हेतु ले जाते दर्शाया गया है। गायों की आकृतियों की शैली लगभग ज्यामितीय है। पृष्ठभूमि में गेरू (लाल) तथा आकृतियों के लिए सफेद रंग का प्रयोग किया गया है।

चित्र 1.2: 'गायों की कतारें', पंचमढ़ी

अनेक चित्रों में एवं इस चित्र में भी शिला पर बनाई गई आकृतियाँ कुछ बेतरतीन ढंग से संयोजित की गई हैं। ये सामान्यत: सजावटी नहीं हैं। व्यक्तिगत कलात्मकता का प्रभाव उसकी स्पष्टता तथा संतुलन का परिणाम होता है।

पाठगत प्रश्न 1.2

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. पंचमढ़ी शैलचित्रों में प्रयुक्त रंग है :

   (क) सफ़ेद और लाल (ख) नीला

   (ग) काला (घ) पीला

2. 'पंचमढ़ी' स्थित है :

   (क) उत्तर प्रदेश में (ख) मध्य प्रदेश में

   (ग) पश्चिम बंगाल में (घ) बिहार में

क्रियाकलाप

आपने शैलचित्रों के विषय में जाना। अब नीचे की सारणी को भरिए :

राज्य का नाम	विषय	पाए गए शैलचित्र का विवरण

1.3 भीमबेटका की शैलचित्रकला

अब हम भीमबेटका की शैलचित्र कला को समझते हैं।

बुनियादी सूचना

भीमबेटका मध्यप्रदेश में भोपाल के पास स्थित है। यहाँ 754 से भी अधिक गुफाएँ हैं। इस गुफा को चित्रों से सुंदर सज्जा की गई है। इन चित्रों के विषय विविध हैं। ये चित्र मध्य पाषाणकालीन शिकारी- संग्रहकर्ता आदिमानव द्वारा बनाए गए हैं। चित्रकारों ने मानव और पशुओं से उसके संबंधों का चित्रांकन किया है। मानव-आकृतियों को विभिन्न प्रकार के पशुओं, जैसे- बैल, जंगली भैंसा, जंगली सूअर तथा हाथी आदि के साथ चित्रित किया गया है।

शीर्षक : **योद्धा**

माध्यम : मृदा तथा खनिज रंग

शैली : प्रागैतिहासिक

काल : लगभग 5000 वर्ष ईसापूर्व

चित्र 1.3: 'योद्धा', भीमबेटका

सामान्य विवरण

इस चित्र में अनेक मानव आकृतियाँ विभिन्न प्रकार के पशुओं के साथ दर्शाई गई हैं। सभी मानव आकृतियाँ अनेक प्रकार के आदिम हथियार लिए हुए है। पुरुष इन जंगली पशुओं को पकड़ने या मारने जा रहे हैं। छायाचित्रों की भाँति चित्रित आकृतियाँ गतिशीलता से परिपूर्ण हैं।

इस चित्र में चार पुरुष आकृतियों को विभिन्न पशुओं पर आक्रमण करते दर्शाया गया है, वे एक घोड़े को भी साध रहे हैं। चित्र में बनाई गई मानव तथा पशु आकृतियों में उनकी परिपूर्णता से चित्रित किए जाने की दृष्टि से तुलना करना रुचिकर रहेगा जैसा कि कलात्मक मान्यताओं के अनुसार चित्रकारों ने दर्शाया है। चित्र में धनुष का चित्रण भी बहुत रोचक है, क्योंकि इससे पहले के चित्रों में धनुष का चित्रण नहीं हुआ है। इस शैली के चित्र वर्तमान में महाराष्ट्र के वार्ली आदिवासी चित्रकारों द्वारा बनाए जाते हैं।

पाठगत प्रश्न 1.3

1. भीमबेटका कहाँ स्थित है?
2. 'योद्धा' चित्र किस काल के हैं?
3. 'योद्धा' चित्र में कम-से-कम एक पशु की पहचान कीजिए?

आपने क्या सीखा

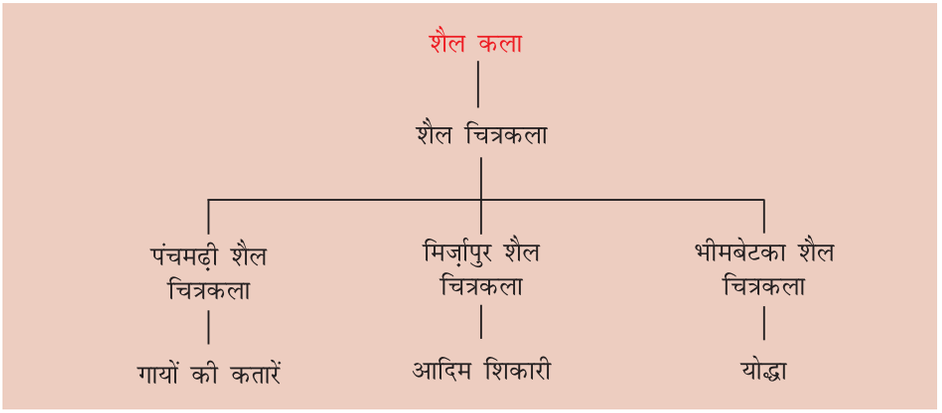

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी

- शैलचित्रों के रूपों और आकृतियों का उपयोग करते हुए सुंदर शैलचित्रों की रचना करते हैं।
- घरेलू वस्तुओं पर शैलचित्र उकेरते हैं।

पाठांत प्रश्न

1. भारत की प्रागैतिहासिक कला किस काल की है?
2. शैलचित्रों का उल्लेख कीजिए।
3. भारत में शैलचित्रों का वर्णन कीजिए।
4. प्रागैतिहासिक शैलचित्रों को बनाने की पद्धति तथा उसके लिए प्रयुक्त सामग्री पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
5. मिर्ज़ापुर के शैलचित्रों की विषयवस्तु क्या है?
6. पचमढ़ी के गुफाचित्रों पर दो पंक्तियाँ लिखिए।
7. भीमबेटका के चित्रों में दर्शाए गए पशुओं के नाम लिखिए।
8. आदिमानव विभिन्न प्रजातियों के पशुओं के चित्र क्यों बनाता था?
9. भारत के जनजातीय कला के प्रकारों में एक समानता लिखिए।
10. 'चित्र में धनुष की आकृति बहुत रोचक है' - अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

1.1

1. मृदा तथा खनिज रंग
2. लाल, काला तथा पीला रंग
3. शिकार

1.2

1. सफ़ेद
2. मध्य प्रदेश

1.3

1. मध्य प्रदेश में भोपाल के पास।
2. मध्य पाषाण काल।
3. घोड़ा

शब्दकोश

पुरा पाषाणकाल	–	पाषाणकाल का आरंभ
मध्य पाषाणकाल	–	पाषाणकाल का मध्य
उत्तर पाषाणकाल	–	पाषाणकाल का अंतिम समय
पाषाण ब्रशिंग	–	धरातल पर चिपकने वाले पदार्थ को हटाना और उस पर रंगीन चूर्ण लगाकर रंग करना
खनिज रंग	–	पत्थरों से प्राप्त रंग
छायाचित्र	–	हल्की पृष्ठभूमि में गहरे रंग की तस्वीर
पाषाण उत्कीर्णन	–	पत्थरों पर आकृतियों को उकेरना